



शनि देव की आरती



जय जय जय श्री शनि देव भक्तन हितकारी,
सूर्य पुत्र प्रभु छाया महतारी।
जय जय जय श्री शनि देव... ॥

श्याम अंग वक्र-दृष्टि चतुर्भुजा धारी,
नीलाम्बर धार नाथ गज की असवारी।
जय जय जय श्री शनि देव... ॥

क्रीट मुकुट शीश राजित दिपत है लिलारी,
मुक्तन की माला गले शोभित बलिहारी।
जय जय जय श्री शनि देव... ॥

मोदक मिष्ठान पान चढ़त हैं सुपारी,
लोहा तिल तेल उड़द महिषी अति प्यारी।
जय जय जय श्री शनि देव... ॥

देव दनुज ऋषि मुनि सुमिरत नर नारी,
विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी।
जय जय जय श्री शनि देव... ॥

सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: <https://dharmyaatra.in/>

व्हाट्सएप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🙏, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🏛️, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🍲, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं 🌀 (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

[व्हाट्सएप ग्रुप](#)

[व्हाट्सएप चैनल](#)

[फेसबुक पेज](#)

[इंस्टाग्राम प्रोफाइल](#)